RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 204 | SATURDAY 01-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

पानी-पानी शहर में, हुआ पड़ा है यार।
पानी-पानी शर्म से, कब होगी सरकार।
कब होगी सरकार, शर्म से पानी-पानी।
नहीं किसी को पता, बात यह किसने जानी।
कह साहिल कविराय, बहुत सरकार सयानी।
पानी-पानी देख, कब हुई पानी-पानी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

जन हितैषी
यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

PRESENTS

PUNJAB'S BIGGEST RECOGNITION FOR YOUNG ENTREPRENEURS

WESTERN LIVING PVT. LTD.

YEA 2026

YOUNG ENTREPRENEUR AWARDS

WE HONOR TALENT, NOT TRANSACTIONS

POWERED BY RALSON TYRES TREAD NEW PATHS

IN ASSOCIATION WITH kothari marbles FIVE DECADE OF LEGACY & FAITH

RECOGNIZE. CELEBRATE. INSPIRE.

THE FABULOUS FIVE - ESTEEMED JURY OF YEA 2026

Avinash Gupta
RN Gupta & Co. Ltd.

Amit Thapar
Ganga Acrowools

VK Goel
Management Professional
Former President
Ludhiana Management Association

Dr. Bikramjit Bembi
National Industries

Parveen Chadha
Shiv Forging

HAPPENING IN THE 2ND WEEK OF AUGUST 2026

NOMINATIONS CLOSING SOON

SCAN QR TO REGISTER

FOR MORE DETAILS, CONTACT:
+91-99153-61166 | +91-95690-30002 | +91-99882-20063
janhetaishiuturntimesevents@gmail.com

VENUE: NIRVANA LUXURY HOTEL, LUDHIANA

चंडीगढ़ के जिम में युवती से कथित छेड़छाड़, स्ट्रेचिंग के बहाने सीसीटीवी से दूर ले गया ट्रेनर; गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। चंडीगढ़ के सेक्टर-38 स्थित एक निजी जिम में युवती से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद शहर में सनसनी फैल गई। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने जिम ट्रेनर दीपक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जिला अदालत में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि वह करीब दो महीने पहले अपनी बड़ी बहन के साथ फिटनेस के लिए जिम से जुड़ी थी। दोनों बहनें नियमित रूप से जिम जाती थीं। बुधवार शाम भी वे रोज की तरह जिम पहुंचीं। आरोप है कि जिम ट्रेनर दीपक ने पहले बड़ी बहन को ऊपर वाले फ्लोर पर साइकिल एक्सरसाइज करने के लिए भेज दिया और छोटी बहन को स्ट्रेचिंग कराने के बहाने नीचे ही रोक लिया।

सीसीटीवी की निगरानी से दूर ले जाने का आरोप

पीड़िता के अनुसार स्ट्रेचिंग के दौरान आरोपी उसे जिम के ऐसे हिस्से में ले गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। वहां उसने कथित तौर पर बिना सहमति के उसके साथ अश्लील हरकत की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने पहले उसे गलत तरीके से छुआ और फिर उसके सीने पर भी हाथ लगाया। घटना के बाद युवती ने इसका विरोध किया और अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी।

दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, कनाडा में रह रहे एनआरआई पति पर केस

मोहाली/यूटर्न/31 जुलाई। दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और बाद में कनाडा से एकतरफा तलाक भेजने के आरोप में एनआरआई थाना मोहाली पुलिस ने कनाडा में रह रहे पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कार्रवाई पंजाब पुलिस के एनआरआई विंग की जांच और मंजूरी के बाद की गई। पुलिस के अनुसार जीरकपुर निवासी शहनाज शेख ने शिकायत में बताया कि उसकी शादी 16 फरवरी 2024 को लुधियाना जिले के गांव मलौद निवासी करमपाल गिल से जीरकपुर में हुई थी। परिवार ने शादी पर करीब 25 लाख रुपये खर्च किए और सोने के आभूषण सहित अन्य सामान दिया। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही पति, सास, ससुर और ननद ने दहेज में बड़ी कार नहीं मिलने पर उसे ताने देने शुरू कर दिए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे अपमानित किया गया।

- एनआरआई थाना मोहाली में बीएनएस की धारा 85 के तहत एफआईआर, पत्नी ने मारपीट, दहेज उत्पीड़न और धोखा देने के लगाए आरोप

शिकायतकर्ता के अनुसार 10 मार्च 2024 को पति कनाडा चला गया और उसे जल्द बुलाने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में विदेश भेजने का पूरा खर्च मायके से उठाने की मांग की गई। पति द्वारा भेजे गए वीजा दस्तावेजों में कथित त्रुटियों के कारण उसका वीजा भी रद्द हो गया। इसके बाद ससुराल पक्ष ने उस पर कार या नकदी लाने का दबाव बनाते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ कई बार मारपीट की गई और जान से मारने की कोशिश भी की गई।

महिला का कहना है कि नवंबर 2024 में पति भारत आया, लेकिन उसकी शिकायतों पर ध्यान देने के बजाय वह भी परिवार के साथ मिलकर प्रताड़ित करने लगा। कुछ दिन बाद दोबारा कनाडा लौट गया। बाद में उसे ससुराल से निकाल दिया गया और कहा गया कि जब तक कार नहीं मिलेगी, उसे घर में नहीं रखा जाएगा।

शहर की हर सड़क बनी कूड़ेदान, सफाई मुलाजिमों ने सड़क पर फेंका कूड़ा, राहगीर हुए परेशान

लोधी क्लब रोड

दुगरी नहर पुल के पास बिखरा कूड़ा

जवाहर नगर कैंप में बिखरा कूड़ा

प्रताप चौक के पास बिखरा कूड़ा

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। शहर में सड़कें कम कूड़ेदान के अंबार ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। हालात यह है कि शहर की सड़कें कूड़ेदान बनती जा रही है। लेकिन नगर निगम इस स्थिति पर काबू पाने में विफिल साबित हो रही है। दरअसल, सफाई मुलाजिमों द्वारा अपनी मांगों को लेकर शहर की सड़कों पर कूड़ा फेंकना शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को मुलाजिमों द्वारा प्रताप चौक स्थित कॉम्पेक्टर, जवाहर नगर कैंप, दुगरी पुल के पास और लोधी क्लब के पास लगे कॉम्पेक्टर के बाहर कूड़ा फेंक दिया गया। काफी दूर तक फैले कूड़े के कारण राहगीरों को निकलना तक मुश्किल हो गया। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि इस घटनाक्रम के बावजूद मौके पर न तो निगम के अधिकारी पहुंचे और न ही संबंधित वॉर्ड के लीडरों ने वहां आने की जरुरत समझी। जिसके बाद रूट डायवर्ट किए गए। लेकिन पूरा दिन लोग ट्रैफिक जाम से जूझते रहे।

आने वाले दिनों में रह सकते यहीं हालात

जानकारी के अनुसार कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में भी यह हालात रह सकते हैं। क्योंकि सफाई कर्मियों का कहना है कि अगर उनकी बातें न मानी गई तो वे सड़कों पर और ज्यादा कूड़ा फेंक देगें। उनकी तरफ से घरों से भी कूड़ा उठाना बंद कर दिया गया है। जिससे घरों में भी गंदगी फैलनी शुरू हो चुकी है। वहीं शहर की सड़कों पर भी सफाई नहीं की जा रही।

सरकार व प्रशासन से बातचीत असफल

वहीं वाल्मीकि समाज के नेता विक्की सहोता ने बताया कि शुक्रवार को पंजाब सरकार और जिला प्रशासन के साथ मीटिंग थी। मीटिंग में समाज के कई नेतागन मौजूद थे। इस दौरान बरनाला मामले में कार्रवाई समेत कई मांगें सरकार के आगे रखी गई। लेकिन यह बातचीत असफल रही। जिसके चलते संघर्ष कमेटी की हड़ताल जारी रहेगी।

2 अगस्त को 'माई भारत युवा कनेक्ट-नशामुक्त अभियान' से जुड़ेंगे विश्वविद्यालय, राज्यपाल कटारिया ने तैयारियों की समीक्षा की

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को पंजाब लोक भवन में पंजाब और चंडीगढ़ के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर ॥माई भारत युवा कनेक्ट॥ नशामुक्त अभियान॥ की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने युवाओं को नशे के खिलाफ एकजुट करने और अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर जोर दिया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव विवेक प्रताप सिंह, चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत यादव, चंडीगढ़ प्रशासन की स्कूल शिक्षा सचिव प्रेरणा पुरी, पंजाब विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मीनाक्षी गोयल, माई भारत युवा कनेक्ट पंजाब की निदेशक रश्मीत कौर, माई भारत चंडीगढ़ के जिला युवा अधिकारी विनय कुमार तथा आईएएस अधिकारी ललित जैन उपस्थित रहे। वहीं पंजाब और चंडीगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया यूनाइटेड सिख्स, शुरू किया राहत अभियान

चंडीगढ़/असम/यूटर्न/31 जुलाई। असम में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सामाजिक संस्था यूनाइटेड सिख्स ने राहत अभियान शुरू किया है। संगठन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को भोजन, स्वच्छ पेयजल, कपड़े, दवाइयां और अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध करा रही हैं।

संगठन के अनुसार, मूसलाधार बारिश के कारण असम के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। नदियों का जलस्तर बढ़ने से अनेक गांव जलमग्न हो गए हैं और हजारों परिवारों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। बाढ़ से घरों, स्कूलों और कृषि भूमि को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे प्रभावित लोगों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। यूनाइटेड सिख्स ने बताया कि राहत सामग्री की पहली खेप प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा दी गई है ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके। असम रवाना होने से पहले संगठन के स्वयंसेवकों ने सामूहिक अरदास कर राहत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की प्रार्थना की। फिलहाल संगठन की टीमें विभिन्न प्रभावित इलाकों में राहत वितरण में जुटी हैं। संगठन का कहना है कि बाढ़ ने केवल लोगों के घर ही नहीं उजाड़े, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका और भविष्य को भी प्रभावित किया है।

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 204 | SATURDAY 01-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

डेराबस्सी से 16 वर्षीय नाबालिग रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता, अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

डेराबस्सी/यूटर्न/31 जुलाई। डेराबस्सी के गांव निंबुआ से 16 वर्षीय एक नाबालिग लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस लापता किशोरी की तलाश में जुटी हुई है। जांच अधिकारी एएसआई लखविंदर सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता सविता देवी (46), पत्नी सुनील कुमार पाल, मूल निवासी गांव पिरही, जिला पटना (बिहार) तथा वर्तमान में गांव निंबुआ निवासी सिमरनजीत सिंह के मकान में किराये पर रहती हैं।

अब नगर निगम होगा हाईटेक, हर सड़क को मिलेगा नाम, उसी से होगी डेवलपमेंट

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। लुधियाना नगर निगम की और से शहर में डेवलपमेंट को बढ़ावा देने, स्वच्छता बनाए रखने और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। जिसके चलते अब शहर की हर सड़क का नाम रखा जाएगा। उस सड़क को सरकारी रिकॉर्ड में उसी नाम के साथ जाना जाएगा। जबकि उसी के आधार पर डेवलपमेंट भी होगी। इसके लिए नगर निगम कमिश्नर ओजस्वीं अलंकार द्वारा अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई है।

जिसके चलते अब नगर निगम हाईटेक होने जा रहा है। इससे जहां सड़क के कई नामों पर पाबंदी लगेगी, वहीं डेवलपमेंट में भी रुकावट नहीं आएगी। कारपोरेशन द्वारा रखा गया नाम हर सरकारी विभाग में चलेगा। किसी अन्य विभाग को सड़क का नामकरण करने की परमीशन नहीं होगी। इसी के साथ साथ जिस सड़क के नाम से टेंडर अलॉट होगा, वे पैसा वहीं पर लगेगा। इससे विभागों में नामों में हेरफेर करके होने वाली गड़बड़ियां भी बंद होंगी।

कारपोरेशन कमिश्नर ओजस्वीं अलंकार

पहले अलग अलग नाम से जानी जाती थी सड़कें

निगम कमिश्नर ओजस्वीं अलंकार अनुसार पहले शहर की एक-एक सड़क के कई नाम रखे होते थे। जिस सरकारी विभाग द्वारा जिस सड़क पर डेवलपमेंट या अन्य कार्य किए जाते थे, वह अपनी तरफ से ही सड़क का नाम रख लेते थे। फिर रिकॉर्ड में भी वहीं नाम चढ़ा दिया जाता था। वहीं कई लोगों द्वारा सरकारी से रिक्वेट करके नाम बदलवाए जाते थे। जिस कारण एक सड़क के कई नाम पड़ गए।

डेवलपमेंट हो रही थी प्रभावित

दरअसल, नगर निगम में कई सड़कों के नाम और थे, लेकिन जमीनीं तौर पर नाम अलग थे। इससे उन सड़कों की डेवलपमेंट होने के बावजूद विभाग को पता नहीं चल पाता था। दूसरी तरफ कई सड़कें विकास से पिछड़ गई थी। जिससे जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही थी। वहीं सरकारी खजाने पर भी बोझ पड़ रहा था।

डेवलपमेंट होगी, मनमर्जी नहीं चलेगी

अब हर निगम द्वारा सभी रोड के नाम नए सिरे से रखने का फैसला किया गया है। जिससे हर सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य या होने वाली डेवलपमेंट का पूरा रिकॉर्ड निगम के पास होगा। वहीं इससे पता रहेगा कि इस नाम की सड़क पर ये काम होने वाला है या ये काम हो चुका है। इससे लोगों के मनमर्जी से रखे नाम भी हटाए जाएंगे। इसी के साथ बाकी विभागों द्वारा मनमर्जी से किए जा रहे नामकरण पर भी रोक लग सकेगी।

दीप नगर में ठेका के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, धरना लगा गायन किए शब्द

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। दीप नगर में शराब का ठेका खुलने को लेकर चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। वीरवार को जहां लोगों द्वारा ठेके के बाहर रोष व्यक्त किया गया था। जिसके बावजूद ठेका बंद न होने पर शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने ठेके के बाहर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोग वहां चादरें बिछाकर बैठ गए और धार्मिक शब्द गायन करने लगे। इस दौरान मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। इस दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि दीप नगर रिहायशी इलाका है। जिसके बावजूद वहां ठेका खुल रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार नशे पर रोक लगा रही है, दूसरी तरफ जगह जगह ठेके खोले जा रहे हैं। लोगों ने कहा कि अगर ठेका न बंद किया तो विरोध तेज किया जाएगा।

कारोबारी ने पत्नी व जानकारों समेत भाई की जाली वसीयत जरिए प्रॉपर्टी अपने नाम ट्रांसफर की, फिर लिया 10 करोड़ का लोन, पर्चा दर्ज

-राजदीप सिंह सैनी-

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। जनपथ एस्टेट के लोहा कारोबारी ने अपनी पत्नी, दो वर्करों और पांच जानकारों के साथ मिलकर अपने ही बड़े भाई की जाली वसीयत तैयार की। जिसके बाद उसकी प्रॉपर्टी अपने नाम ट्रांसफर करवा, फिर पत्नी के नाम ट्रांसफर करके बैंक में गिरवी रख दी। उक्त प्रॉपर्टी के आधार पर 10 करोड़ का लोन भी ले लिया। थाना साहनेवाल की पुलिस ने शास्त्री नगर की नैनसी जिंदल की शिकायत पर सिधवां के संजीव कुमार, न्यू कुंदनपुरी के हेमंत कुमार और सनव्यू एन्क्लेव

के संजीव कौशल और जनपथ एस्टेट की कविता गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में रेड कर रही है। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी घरों से फरार हो चुके है। पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी संजीव कुमार महिला कविता गुप्ता का पति है। जबकि हेमंत कुमार और संजीव कौशल उसके पास नौकरी करते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी संजीव कुमार उनके पिता अशोक कुमार का भाई है। उनके मुताबिक संजीव कुमार का लोहे का कारोबार है।

जाली वसीयत बना धोखे से प्रॉपर्टी अपने नाम करवाई

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जून 2021 में कोविड के दौरान सभी सरकारी ऑफिस बंद थे। लेकिन आरोपी संजीव कुमार द्वारा उस समय की एक वसीयत पेश की। जिसमें लिखा था कि उनके पिता अशोक कुमार ने एक वसीयत बनाकर ढंडारी कलां स्थित शुभ एन्क्लेव में पड़ी 1936 गज की प्रॉपर्टी उसके हिस्से में लिख दी है। वसीयत में गवाह अपने ही वर्कर संजीव कौशल और हेमंत को बना लिया। उसी वसीयत के आधार पर आरोपी संजीव कुमार ने प्रॉपर्टी माल महिकमे में अपने नाम करवा ली। जबकि वसीयत न तो सरकार से रजिस्टर्ड थी और न ही किसी काउंसलर और नंबरदार ने उसे वेरिफाई किया था।

कोविड के दौरान हुई पिता की मौत...शिकायतकर्ता के अनुसार जुलाई 2021 में उनके पिता अशोक कुमार की मौत हो गई थी। उस समय कोविड का दौर चल रहा था। हालांकि मौत से पहले उनके पिता द्वारा कोई भी वसीयत नहीं तैयार करवाई गई थी। न ही प्रॉपर्टी किसी को ट्रांसफर की। कानून के मुताबिक उनकी मौत के बाद सारी प्रॉपर्टी उनके वारिसों को जानी बनती थी।

फर्जी ट्रांसफर डीड के सहारे 10 करोड़ का लोन लिया...शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी संजीव कुमार ने अगस्त 2021 को उसे कचहरी यह कहकर बुलाया कि उसके पिता की प्रॉपर्टी को उनके मां के नाम पर ट्रांसफर करवाना है। जिसके बाद उसने धोखे से हस्ताक्षर करवा लिए। जिसके बाद संजीव कुमार ने पांच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर जाली वसीयत इस्तेमाल करके ट्रांसफर डीड अपनी पत्नी कविता गुप्ता के हक में करवा दी। उसी ट्रांसफर डीड के आधार पर कविता ने नगर निगम रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया। जिसके बाद इसी फर्जी ट्रांसफर डीड के बल पर प्रॉपर्टी को टाटा कैपिटल फाइनेंस सर्विस के पास गिरवी रखकर 10 करोड़ का लोन भी ले लिया।

मुलाकात के दौरान शक होने पर हुआ खुलासा...शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका पति राहुल जिंदल संजीव कुमार को मिलने के लिए गए तो उन्हें हेरफेर की आशंका हुई। जिसके चलते शिकायतकर्ता ने अप्रैल 2025 में उक्त प्रॉपर्टी का टीएस-1 लेने के लिए अप्लाई किया। जब निगम रिकॉर्ड चैक किया तो उन्हें जाली ट्रांसफर डीड, वसीयत और गवाही के बारे में पता चला। उन्होंने इस संबंधी संजीव और कविता से बात की तो वे टाल मटोल करने लगे। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी।

पंजाब कांग्रेस में शक्ति प्रदर्शन के बीच बघेल ने शुरू की 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' मुहिम

सरहिंद से अभियान का आगाज, चन्नी गुट रहा दूर -बघेल बोले- जो कांग्रेस में नहीं, उन्हें नहीं बुलाया, वडिंग ने कहा- पद नहीं, पार्टी बड़ी

मोहाली/यूटर्न/31 जुलाई। पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी खींचतान के बीच प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने शुक्रवार को फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद से 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' अभियान की शुरूआत कर दी। अभियान के शुभारंभ में प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का गुट बैठक से दूर रहा। चन्नी के भाई डॉ. मनोहर सिंह भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

डॉ. मनोहर सिंह को बैठक में नहीं बुलाने के सवाल पर बघेल ने कहा कि जो लोग कांग्रेस का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें बैठक में नहीं बुलाया गया। उन्होंने कहा कि डॉ. मनोहर पिछला चुनाव निर्दलीय लड़े थे। वहीं, चन्नी के बेटे रिदमजीत सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा वडिंग ने कहा कि वह हमारा भी बेटा है, युवा है और उसका सम्मान है।

राजा वडिंग ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का पद उनके लिए सबसे बड़ी चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी टिकट भी काट दे तो भी वह कांग्रेस नहीं

छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि समय के साथ बदलना जरूरी है, क्योंकि अब चुनाव बूथ और मोबाइल फोन दोनों पर लड़े जाएंगे। वडिंग ने चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा समेत अन्य नेताओं को खुद से अधिक काबिल बताते हुए कहा कि दिल बड़ा होना चाहिए और सभी नेताओं को साथ लेकर चलना होगा। प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है। उन्होंने संकेत दिए कि पंजाब में विधानसभा चुनाव तय समय से पहले नवंबर-दिसंबर 2026 में भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार पंजाब में पांच-कोणीय मुकाबला होगा और जीत का आधार बूथ प्रबंधन होगा। उनका दावा था कि यदि बूथ मजबूत हो गया तो कोई भी बड़ा नेता चुनावी नतीजे नहीं बदल सकेगा। बघेल ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विपक्ष में रहते हुए सबसे अधिक प्रताड़ना झेली है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने कांग्रेस नेताओं पर मुकदमे दर्ज कराए और उन्हें परेशान किया। उन्होंने भाजपा और आम आदमी पार्टी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि कांग्रेस बदले की राजनीति नहीं करती।

दोनों गुट दिखा रहे ताकत

पंजाब कांग्रेस में चन्नी और राजा वडिंग गुट हाईकमान के सामने अपनी-अपनी ताकत दिखाने में जुटे हैं। चन्नी समर्थकों का कहना है कि वडिंग के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव जीतना मुश्किल है, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष बदला जाना चाहिए। दूसरी ओर हाईकमान फिलहाल वडिंग के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

नौ दिवसीय दौरे पर बघेल

भूपेश बघेल नौ दिन के पंजाब दौरे पर हैं। वह बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर संगठन की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे और अपनी रिपोर्ट कांग्रेस हाईकमान को सौंपेंगे। अभियान के तहत पहली बैठक सरहिंद में हुई, जबकि दूसरी बैठक मोहाली में आयोजित की जानी है। बैठकों में जिला व ब्लॉक पदाधिकारी, सेवा दल, यूथ कांग्रेस, 2022 के विधानसभा प्रत्याशी और सांसद शामिल हो रहे हैं।

बघेल के सामने दो बड़ी चुनौतियां

बघेल के सामने सबसे बड़ी चुनौती पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी खत्म कर सभी नेताओं को एक मंच पर लाना है। इसके अलावा हाईकमान के उस फैसले को जमीन पर लागू कराना भी आसान नहीं होगा, जिसमें राजा वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने का निर्णय लिया गया है। चन्नी गुट अब तक चुनाव समितियों में सक्रिय नहीं हुआ है और बैठकों से भी दूरी बनाए हुए है। ऐसे में संगठन को एकजुट करना बघेल की सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

ई-मेल से बम की धमकी के बाद जिला न्यायालय व लघु सचिवालय खाली, जांच में कुछ नहीं मिला

पंचकूला/यूटर्न/31 जुलाई। सेक्टर-1 स्थित जिला न्यायालय और लघु सचिवालय को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को पंचकूला पुलिस हाई अलर्ट पर रही। सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन के निर्देश पर पूरे परिसर को एहतियातन खाली कराया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

डीसीपी अदिति सिंह ने बताया कि न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला न्यायालय और लघु सचिवालय को तत्काल खाली करवाया गया। इसके बाद डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ते और पुलिस की विशेष टीमों ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन जांच की। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई, जिसके बाद स्थिति को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया। घटना के बाद कोर्ट परिसर के प्रवेश और निकास द्वारों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस की साइबर सेल धमकी भरे ई-मेल के स्रोत और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है। पंचकूला पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। डीसीपी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की। साथ ही किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।

दो पक्षों में खूनी झड़प, फॉर्च्यूनर सवारों ने सरेआम की फायरिंग, एक जख्मी

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। राजगुरु नगर स्थित ग्रैंड वॉक मॉल के बाहर शुक्रवार शाम 2 पक्षों में खूनी झड़प हो गई। आरोप है कि फॉर्च्यूनर सवार युवकों ने स्कॉर्पियो में बैठे युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिससे 2 युवक घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मौके पर 4 से 5 गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, ट्रैफिक लाइट पर फॉर्च्यूनर और स्कॉर्पियो आमने-सामने आकर बराबर खड़ी हो गईं। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच

कहासुनी हुई और देखते ही देखते फॉर्च्यूनर सवार युवकों ने स्कॉर्पियो पर फायरिंग शुरू कर दी। जख्मियों की पहचान आर्यन घुम्मन और आर्यन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आर्यन घुम्मन की कमर में गोली लगी, जबकि दूसरे आर्यन को गोली छूकर निकल गई। दोनों को गंभीर हालत में लोगों की मदद से डीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मामले की सूचना मिलने पर थाना सराभा नगर की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लेकिन अभी फायरिंग की बात की पुष्टि नहीं की है। आर्यन सिंह की माता इंदु ने कहा कि बेटा 12वीं पास करके कनाडा गया था वहीं से वापस लौटा है। मैं खुद पुलिस विभाग में काम करती हूं। मेरी प्रशासन से मांग है कि आरोपियों को पकड़ा जाए।

एनसीएमईसी की सूचना पर पंजाब साइबर पुलिस का एक्शन, बाल यौन शोषण सामग्री अपलोड करने के आरोप में एफआईआर

मोहाली/यूटर्न/31 जुलाई। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के माध्यम से अमेरिका स्थित नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) से हासिल पांच साइबर टिपलाइन रिपोर्टों के आधार पर पंजाब राज्य साइबर क्राइम पुलिस ने बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) अपलोड किए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार साइबर टिपलाइन नंबर के संबंध में प्रारंभिक जांच इंस्पेक्टर मनप्रीत कौर, सीसीपीडब्ल्यूसी यूनिट स्टेट साइबर क्राइम फेज-4, मोहाली ने की। जांच में सामने आया कि सुरजीत सिंह और पीयूसीएचडी नामक गूगल खातों के माध्यम से कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित फोटो और वीडियो अपलोड किए गए। प्रारंभिक जांच में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67बी के तहत संज्ञेय अपराध बनता पाए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर दोनों जीमेल खातों के अज्ञात उपयोगकर्ताओं एवं संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच के दौरान डिजिटल साक्ष्य, संबंधित रिकॉर्ड और अन्य तथ्यों का गहन परीक्षण किया जाएगा। जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर कानूनी धाराओं में आवश्यक संशोधन, नई धाराएं जोड़ने या हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी।

पेज 12 12AB रजिस्ट्रेशन का मतलब जीएसटी...

कमल के घर में CJP का फूल खिला: BJP नेताओं की बेटियों का CJP के विरोध-प्रदर्शन को समर्थन

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बड़े विरोध-प्रदर्शनों के समर्थन में कई BJP नेताओं की बेटियां आगे आई हैं, जिनमें सबसे नया नाम यशस्वी राजे सिंह का है। कंटेंट क्रिएटर यशस्वी, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सदर से BJP के पूर्व विधायक विक्रम सिंह की बेटी हैं।

अल जजीरा से बात करते हुए, यशस्वी - जिन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP के छात्र विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया था - ने नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को एक 'बेतुका मजाक' बताया। इंटरव्यू के दौरान, उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को 'पछतावा' करने वाले व्यक्ति के बजाय 'शहीद' होने जैसा बताया।

यशस्वी ने BJP नेता के इस्तीफे के पत्र में इस्तेमाल किए गए शब्दों की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए था कि 'राष्ट्र-विरोधी ताकतें' स्थिति का फायदा न उठाएं।

इससे पहले, BJP सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता सचिन रहर ने प्रधान के इस्तीफे का सार्वजनिक रूप से स्वागत करके सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी जिसका कैप्शन था, 'मेरा परिवार DP के साथ है लेकिन मैं छात्रों के साथ हूं।' यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई और कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि पूर्व शिक्षा मंत्री की टीम के सदस्यों ने सांसद से संपर्क करके पोस्ट हटाने के लिए कहा था।

एक और BJP नेता जिनकी बेटी ने CJP का समर्थन किया, वे असम के राजस्व मंत्री केशव महंता हैं। उनकी बेटी दिबिसा महंता के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए गए, जिनमें उन्हें प्रदर्शनकारियों के साथ हाथों में प्लेकार्ड लिए मार्च करते और प्रधान के इस्तीफे की मांग करते देखा गया। बाद में, असम के CM हिमंत बिस्वा सरमा ने लोगों से अपने मंत्री को ट्रोल न करने की अपील की और कहा कि जब बच्चे बड़े हो जाते हैं, तो उनके कामों को उनके माता-पिता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

CJP के विरोध-प्रदर्शन, जिसमें दिल्ली के जंतर-मंतर पर हजारों समर्थक जुटे और जो देश भर के अन्य शहरों में भी फैल गया, 36 दिनों के बाद मुख्य मांग - NEET पेपर लीक विवाद पर प्रधान का इस्तीफा - पूरी होने के साथ समाप्त हुए। इसने वैश्विक स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें Gen-Z छात्र प्रदर्शनकारियों की पुलिस बलों के साथ झड़पें हुईं।

पंजाब में घरेलू व सजावटी पेंट होंगे लेड मुक्त, पीपीसीबी ने जारी किए निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने घरेलू और सजावटी पेंटों में लेड की मात्रा नियंत्रित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया है कि उद्योगों को दी जाने वाली सहमति प्रक्रिया में लेड संबंधी अनुपालन की शर्तें अनिवार्य रूप से शामिल की जाएं। नियमों के अनुसार घरेलू और सजावटी पेंट में लेड की मात्रा 90 पार्ट्स प्रति मिलियन से अधिक नहीं होनी चाहिए। पेंट निर्माताओं को मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं अथवा एजेंसियों से परीक्षण और अनुपालन प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा। इन प्रमाणपत्रों की प्रतियां डीलरों और खुदरा विक्रेताओं को भी उपलब्ध करानी होंगी, ताकि नियामक अधिकारी आवश्यकता पड़ने पर सत्यापन कर सकें।

बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा कि लेड के संपर्क में आना बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इसकी कम मात्रा भी बच्चों के मस्तिष्क विकास, सीखने की क्षमता और समग्र स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लेड को प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता वाले रसायनों में शामिल किया है। नए निर्देशों का उद्देश्य जिम्मेदार विनिर्माण को बढ़ावा देना, निगरानी मजबूत करना और पंजाब में सुरक्षित, लेड मुक्त पेंट का उपयोग सुनिश्चित करना है।

अब मैं भी चलता हूँ: प्रधान के बाद BJP प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस्तीफा दिया

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से इखढ में मची राजनीतिक हलचल के कुछ ही दिनों बाद, पार्टी को शुक्रवार को एक और बड़ा झटका लगा, जब राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी छोड़ दी। यह घटनाक्रम 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के नेतृत्व में हुए देशव्यापी छात्र आंदोलन के बाद बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच हुआ है; इसी आंदोलन के कारण इस हफ़्ते की शुरूआत में प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

BJP के सबसे चर्चित टेलीविजन चेहरों और आक्रामक प्रवक्ताओं में से एक, पूनावाला ने गुरुवार शाम पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने अपने (ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट्स की बायो से 'BJP' शब्द हटा दिया और खुद को सिर्फ एक 'भारतीय' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन समर्थक बताया।

हालांकि BJP ने इस्तीफे पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन इस कदम ने अटकलों को हवा दे दी है कि क्या शिक्षा संकट और लगातार विरोध प्रदर्शनों (जिसके कारण प्रधान को पद छोड़ना पड़ा) के बाद पार्टी के भीतर कोई बेचैनी है। खबरों के अनुसार, पूनावाला ने पद छोड़ने के लिए निजी कारणों का हवाला दिया है, हालांकि कोई औपचारिक स्पष्टीकरण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

कांग्रेस छोड़ने के बाद पूनावाला BJP में शामिल हुए थे और जल्द ही टेलीविजन डिबेट और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले सबसे मुखर और आक्रामक प्रवक्ताओं में से एक बन गए। पिछले कुछ वर्षों में, वे विपक्षी दलों पर हमला करने और कई राष्ट्रीय मुद्दों पर मोदी सरकार की नीतियों का बचाव करने वाले एक जाने-पहचाने चेहरे बन गए थे।

उनका इस्तीफा BJP के लिए ऐसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय में आया है जब पार्टी पहले से ही NEET विवाद और CJP के नेतृत्व वाले आंदोलन के बढ़ते असर से जूझ रही है। प्रधान के इस्तीफे से सरकार के भीतर जवाबदेही पर पहले ही सवाल उठ रहे हैं, ऐसे में पूनावाला के इस्तीफे से सत्ताधारी पार्टी के सामने आने वाले राजनीतिक नतीजों को लेकर अटकलें और तेज होने की संभावना है।

वाराणसी से पहुंची पवित्र कलश यात्रा का हल्लो माजरा में भव्य स्वागत, गुरु रविदास जी के संदेशों पर चलने का लिया संकल्प

650वीं जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, समानता और भाईचारे का दिया संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। सतगुरु शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में वाराणसी से चंडीगढ़ पहुंची पवित्र कलश यात्रा का शुक्रवार को वार्ड नंबर-20 स्थित हल्लो माजरा में रविदास मंदिर कमेटी द्वारा भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का अभिनंदन किया और गुरु रविदास जी के बताए समानता, मानवता एवं भाईचारे के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रविदास मंदिर कमेटी के प्रधान लखविंदर लखी, खादी बोर्ड के चेयरमैन सरदार धीदार सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश झा सहित मंडल की पूरी टीम मौजूद रही। इसके अलावा मंडल महामंत्री सुरेश रोहिल्ला, मंडल उपाध्यक्ष सुमेर यादव, सचिव राम कुमार गहलोत, कन्वीनर जतिन मिश्रा, सोशल वर्कर अरविंद सिंह, रघुबीर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने सतगुरु श्री गुरु रविदास जी महाराज के चरणों में नमन करते हुए उनके सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में ह्लसतगुरु रविदास जी महाराज की जयह्व और ह्लजय गुरु रविदास जीह्व के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। सोशल वर्कर अरविंद सिंह ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समाज को प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं समाज को एकजुट होकर मानवता के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती हैं। उनके अनुसार, 650वीं जयंती के अवसर पर निकाली गई यह पवित्र कलश यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

खेतों में घूम रहे युवक पर जानलेवा हमला, तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

डेराबस्सी/यूटर्न/31 जुलाई। गांव इब्राहिमपुर में खेतों में घूमने गए एक युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई अमरजीत सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता हरमनदीप सिंह (25) पुत्र गुरमेल सिंह, निवासी कंबोज धर्मशाला के पास, गांव इब्राहिमपुर, डेराबस्सी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 21 जुलाई 2026 की रात करीब 8:30 बजे वह खाना खाने के बाद खेतों की ओर टहलने जा रहा था। रास्ते में गांव के कुछ युवक मिले, जिन्होंने पार्टी करने का बहाना बनाकर उसे खेतों में ले गए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Restaurant में Service Charge देना जरूरी है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आजकल जब हम किसी Restaurant या Cafe में खाना खाने जाते हैं, तो बिल में कई तरह के Charges दिखाई देते हैं। इनमें एक Charge अक्सर Service Charge के नाम से जोड़ा जाता है। कई लोग इसे GST समझकर बिना कुछ पूछे भुगतान कर देते हैं।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि Service Charge और GST एक जैसी चीज नहीं हैं। GST सरकार द्वारा लगाया जाने वाला कर (Tax) है, जबकि Service Charge Restaurant द्वारा अपनी सेवा के बदले लिया जाने वाला शुल्क होता है। इसलिए दोनों का उद्देश्य अलग-अलग है।

यदि किसी Restaurant ने बिल में Service Charge जोड़ दिया है और ग्राहक इससे सहमत नहीं है, तो वह इस पर आपत्ति उठा सकता है। केवल Service Charge देने से मना करने के आधार पर Restaurant ग्राहक को खाना परोसने से इंकार नहीं कर सकता और न ही उसे रोककर रख सकता है।

यदि इस बात को लेकर विवाद हो जाए, तो पहले Restaurant के Manager से शांति से बात करें। कई मामलों में बातचीत से ही समस्या का समाधान हो जाता है। यदि फिर भी समाधान न निकले, तो बिल की Copy सुरक्षित रखें और आवश्यकता होने पर उचित मंच पर शिकायत की जा सकती है।

दूसरी ओर, ग्राहकों को भी Restaurant के कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए। यदि आपको सेवा अच्छी लगी हो, तो अपनी इच्छा से Tip देना अलग बात है, लेकिन Tip और Service Charge दोनों एक जैसे नहीं होते।

बिल का भुगतान करने से पहले उसे ध्यान से पढ़ना एक अच्छी आदत है। कई बार छोटी-सी लापरवाही बाद में अनावश्यक विवाद का कारण बन जाती है।

निष्कर्ष: Restaurant के बिल में लिखा हर Charge अनिवार्य नहीं होता। GST और Service Charge में अंतर समझें, बिल ध्यान से देखें और किसी भी संदेह की स्थिति में भुगतान से पहले जानकारी अवश्य लें।

मां बगलामुखी धाम में आयोजित हुआ गुरु पूर्णिमा और महंत प्रवीण जी के जन्म दिन पर हवन-यज्ञ

वालंटियरो ने रक्तदान कर गुरुदेव प्रवीण चौधरी जी की दीघार्यु की कि कामना

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। मां बगलामुखी धाम में गुरु पूर्णिमा एवं महंत प्रवीण चौधरी जी के जन्म दिन पर भक्ति और सेवा का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर हवन यज्ञ और माता की चौंकी आयोजन का किया गया। सैंकड़ो वालंटियरो ने रक्तदान करने के उपरांत केक काटकर गुरुदेव प्रवीण चौधरी जी को बधाइयां दी। महंत प्रवीण चौधरी जी ने खुद रक्तदान कर मनवता की सेवा की संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन कुंड में आहुतियां डाल कर भक्तों ने अपने प्रिय गुरदेव महंत प्रवीण चौधरी जी की दीघार्यु की कामना की। वहीं गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने तिलक अभिषेक कर गुरु-शिष्य की परम्परा का निर्वहन किया। महंत प्रवीण चौधरी जी ने मानव जीवन में गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा गुरु ही जीवन का मार्ग दर्शक है।गुरु अज्ञान रुपी अंधकार को दूर कर ज्ञानरुपी प्रकाश प्रदान करते हैं। मानवता की सेवा , समर्पण, और अनुशासन ही सच्ची गुरु भक्ति है। इससे पूर्व प्रसिद्ध भजन गायकों व धाम संकीर्तन मंडल ने मां बगलामुखी की स्तुति में भजन प्रस्तुत कर भाव विभोर किया। आरती के साथ चौंकी व यज्ञ को विश्राम दिया गया। मां भगवती को अर्पित अनेक प्रकार के व्यंजनो के भोग प्रसाद व लंगर के रुप में वितिरत हुए। धाम प्रबंधन ट्रस्ट सदस्यों ने रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले वालंटियरो का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनप्रीत छतवाल, सुनील महाजन,रमन घई,जतिन्द्र सूद, मोहित सूद,सुधीर महाजन,गौरव कालिया, सुनील हांडा,जतिन सूद, संदीप सूद,तरुण चौधरी,परमवीर चौधरी,नरिन्द्र सिंगला, इकबाल सिंह ,बलजीत त्रिखा,गौतम सचदेवा,नरिन्द्र महाजन, अंकुश सिंगला,चेतन टंडन, साहिल सिंगला, राज सोंलकी,पंकज गुप्ता,दीपक गर्ग, दिनेश रल्ली, वरूण जैन, मनीष गुप्ता,विजय गुप्ता,प्रवेश चड्ढा ,रमन शर्मा, आदित्य गुप्ता,वरुण चोपड़ा, तुषार बंसल,धीरज गुप्ता, जनकराज सिंगला,बौबी मक्कड़, नितेश सूद,राकेश पासी ,गुनीत खैरा, अजय जैन, रविन्द्र सिंह वालिया, तेजिन्द्र मिगलानी, वरुण दत्त,भूपिन्द्र सिंह, वेद लूथरा,वरूण शर्मा,पवन पारिक, अनुज वधवा,आशूतोष गुप्ता, प्रदीप टाटा आर्यन चड्ढा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

हमारे समाज में रिश्ते क्यों बिगड़ते जा रहे हैं?

आज के आधुनिक युग में जहाँ विज्ञान और तकनीक ने बहुत तरक्की की है, वहीं मानव संबंधों की मिठास दिन-ब-दिन फीकी पड़ती जा रही है। पहले के समय में रिश्ते भावनाओं, सम्मान और त्याग पर आधारित होते थे, लेकिन आज के समाज में स्वार्थ,

ईगो और समय की कमी ने रिश्तों को कमजोर कर दिया है। व्यस्त जीवनशैली के कारण लोग अपनों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। माता-पिता अकेलेपन से जूझ रहे हैं, भाई-बहनों में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, और पति-पत्नी के रिश्तों में संवाद की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। सोशल मीडिया और वर्चुअल कनेक्शन ने वास्तविक संबंधों को प्रभावित किया है। लोग एक-दूसरे से बातें कम और तुलना अधिक करने लगे हैं। इसके अलावा, धैर्य की कमी, सहनशीलता का अभाव और हर बात पर त्वरित प्रतिक्रिया रिश्तों को तोड़ने का कारण बन रहे हैं। छोटे-छोटे मतभेद अब झगड़े का रूप ले लेते हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारे रिश्ते पहले जैसे मधुर बने रहें, तो हमें एक-दूसरे के लिए समय निकालना होगा, संवाद बढ़ाना होगा और सबसे जरूरी झ्र एक-दूसरे को समझना और सम्मान देना होगा।

गुरु रविदास जन्मस्थल से लाए गए पावन कलश का आज होगा स्वागत, जीरकपुर-डेराबस्सी में निकलेगी शोभायात्रा

वाराणसी से पहुंचे पवित्र कलश के दर्शन आज, डेराबस्सी से चंडीगढ़ तक निकलेगी भव्य शोभायात्रा

जीरकपुर/यूटर्न/31 जुलाई। श्री गुरु रविदास जी महाराज के पावन जन्मस्थल वाराणसी से लाए गए पवित्र कलश और पावन मिट्टी के स्वागत के लिए शनिवार को डेराबस्सी-जीरकपुर क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भाजपा के प्रदेश सचिव एवं हल्का डेराबस्सी प्रभारी संजीव खन्ना ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर गुरु जी का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि शोभायात्रा सुबह 10 बजे झारमड़ी स्थित पैराडाइज होटल से शुरू होगी। पहला पड़ाव डेराबस्सी के रामतलाई मंदिर में रहेगा। इसके बाद यात्रा जीरकपुर स्थित मेट्रो होलसेल के सामने पहुंचेगी, जहां श्रद्धालुओं को पवित्र कलश और जन्मस्थल से लाई गई पावन मिट्टी के दर्शन करवाए जाएंगे। इसके बाद शोभायात्रा सेक्टर-7बी, चंडीगढ़ स्थित आर्य समाज मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। संजीव खन्ना ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ समेत पंजाब के विभिन्न जिलों से कई प्रमुख नेता और गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मार्ग में आवश्यक व्यवस्थाएं और वाहनों का भी प्रबंध किया गया है। उन्होंने क्षेत्र की संगत से अपील की कि वे परिवार सहित शोभायात्रा में भाग लेकर गुरु रविदास जी के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करें और इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं।

वंडरलैंड चंडीगढ़ कार्निवाल की चंडीगढ़ में शुभारंभ

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। त्योहारों का सीजन शुरू होते ही शहर में मेलों का सिलसिला शुरू हो जाता है। सभी में इन के शुरू होने को लेकर भी उत्सुकता बनी रहती है और उनमें इसके प्रति खास क्रेज देखने को भी मिलता है। इसी के मद्देनजर ₹गुरु जी इवेंट्स₹ शहर में ले आया है 'वंडरलैंड चंडीगढ़ कार्निवाल'। 31 जुलाई से शुरू होकर 24 अगस्त 2026 तक सेक्टर 34 के बी ओ टी ग्राउंड में चलने वाले यह वंडरलैंड चंडीगढ़ कार्निवाल₹ में लोगों को आकर्षक प्रवेश द्वार, होम डेकोर, फूड स्टाल्स, बच्चों व बड़ों के मनोरंजन के लिए झूले और फूड कोर्ट इत्यादि ये सब लोगों का मनोरंजन करेंगे। गुरु जी इवेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव शर्मा ने बताया कि अगस्त महीने से त्योहारों की शुरूआत हो जाती है।

यूटर्न टाइम

सरकारी सड़क पर लगाया स्थायी ताला! टैगोर नगर वेलफेयर सोसाइटी ने DMC साइड का गेट बंद कर बनाया 'निजी रास्ता', पुलिस अनुमति का दावा

पुलीस ने कहा हमारे पास रास्ता बंद कराने का कोई अधिकार नही

-नवीन गोगना-

लुधियाना, 30 जुलाई। लुधियाना के टैगोर नगर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सरकारी सड़क पर लगाए गए गेट को स्थायी रूप से बंद किए जाने का मामला अब गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सोसाइटी के प्रतिनिधियों का दावा है कि उन्होंने यह गेट पुलिस प्रशासन की अनुमति से बंद किया है, लेकिन यदि ऐसा है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर किस कानून के तहत सार्वजनिक सड़क को बंद करने की अनुमति दी गई?

यह सड़क केवल टैगोर नगर के लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि डीएमसी अस्पताल (DMC) सहित शहर के कई बड़े और प्रतिष्ठित अस्पतालों तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। स्थानीय लोगों के अनुसार केवीएम रोड पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है, ऐसे में कई बार एंबुलेंस इसी रास्ते से मरीजों को डीएमसी हार्ट सेंटर तथा अन्य अस्पतालों तक पहुंचाती हैं। ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग को स्थायी रूप से बंद कर देना मरीजों की जान के लिए भी खतरा बन सकता है।

मामले की पड़ताल करने जब मीडिया टीम मौके पर पहुंची तो गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड से गेट खोलने का अनुरोध किया गया। गार्ड ने साफ शब्दों में कहा कि वह गेट नहीं खोल सकता। जब उससे पूछा गया कि गेट पर स्पष्ट रूप से रात 10:30 बजे बंद करने का समय लिखा है, जबकि शाम करीब 7 बजे ही गेट बंद कर दिया गया, तो उसने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं बता सकता और सोसाइटी के पदाधिकारी चावला जी से बात करने की सलाह दी।

दिलचस्प बात यह रही कि गार्ड के पास स्वयं चावला जी का मोबाइल नंबर भी नहीं था। बाद में उसने अपनी सुरक्षा कंपनी के मैनेजर से नंबर लेकर मीडिया को उपलब्ध कराया। फोन पर हुई बातचीत में चावला जी ने पहले कहा कि गेट शाम 7 बजे बंद नहीं किया गया। उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि करीब एक महीने से यह गेट स्थायी रूप से बंद रखा गया है। जब उनसे पूछा गया कि यह एक सरकारी सड़क है और इसे स्थायी रूप से कैसे बंद किया जा सकता है, जबकि इसी रास्ते से पंजाब ही नहीं बल्कि देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों तक लोगों और एंबुलेंस की आवाजाही होती है, तो उन्होंने जवाब दिया कि कॉलोनी के बाहर लोग गाड़ियां खड़ी कर तेज आवाज में म्यूजिक बजाते हैं और इससे कॉलोनी के लोग परेशान होते हैं।

इस पर जब उनसे कहा गया कि कॉलोनी के बिल्कुल पास पुलिस कंट्रोल रूम मौजूद है और यदि कोई कानून व्यवस्था की समस्या है तो उसकी शिकायत पुलिस से की जानी चाहिए, तब चावला जी ने दावा किया कि उन्होंने पुलिस प्रशासन से अनुमति लेकर ही गेट बंद किया है। मगर चंद कदम पर तैनात पुलिस चोंकी से सम्पर्क किया गया तो चोंकी इनचार्ज ने कहा पुलीस के पास सरकारी रास्ता बंद करवाने का क्या अधिकार है यह काम तो नगर निगम का है उसी वक्त जब दूबारा चावला जी से बात कर पुलिस का जवाब बताया गया तो उन्हे कोई जवाब नही आया बस इतना कहते रहे की आप समझा करो मगर वह इस बार पुलिस प्रमीशन वाले पहले व्यान से बचते रहे इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि यदि किसी गंभीर मरीज को एंबुलेंस के जरिए तुरंत अस्पताल पहुंचाना हो और रास्ता बंद मिले तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, तो उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने के बजाय कहा कि इस संबंध में कॉलोनी के काउंसलर से बात की जाए।

अब इस पूरे मामले ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं–

- यदि यह सड़क सरकारी है तो क्या किसी वेलफेयर सोसाइटी को इसे अपनी निजी सड़क घोषित कर स्थायी रूप से बंद करने का अधिकार है?
- यदि पुलिस प्रशासन ने वास्तव में अनुमति दी है तो वह किस कानून के तहत दी गई?
- क्या किसी सार्वजनिक मार्ग को केवल कॉलोनी की सुविधा के लिए बंद किया जा सकता है, जबकि उसी रास्ते से अस्पतालों और एंबुलेंस का आवागमन होता हो?
- यदि भविष्य में गेट बंद होने के कारण किसी मरीज की जान को खतरा पहुंचता है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कॉलोनी में पार्किंग या शोर-शराबे की समस्या थी तो उसका समाधान पुलिस और प्रशासन के माध्यम से किया जाना चाहिए था, न कि सरकारी सड़क पर स्थायी ताला लगाकर उसे निजी रास्ते में बदल दिया जाए। अब निगाहें जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाएगा कि सार्वजनिक सड़क पर स्थायी रूप से गेट बंद करना कानून सम्मत है या नहीं।

वरिष्ठ पत्रकार नदीम अंसारी का निधन, लुधियाना पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। लुधियाना के मीडिया सेक्टर में एक बहुत ही दुखद खबर सामने आई है। लुधियाना के वरिष्ठ पत्रकार नदीम अंसारी का शुक्रवार देर शाम पीजीआई चंडीगढ़ में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकारिता जगत, राजनीतिक हलकों और उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई। नदीम अंसारी 35 साल से भी अधीक समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे और अपनी बेबाक लेखनी के लिए जाने जाते थे। राजनीति से जुड़ी खबरों पर उनकी मजबूत पकड़ थी। नेताओं के बयानों, राजनीतिक गतिविधियों और शहर की अंदरूनी सियासत पर उनकी पैनी नजर रहती थी। अपनी अलग खबरों और मसालेदार अंदाज में खबरों को पेश करने की शैली के कारण उन्होंने पत्रकारिता में अपनी खास पहचान बनाई थी। उन्होंने हमेशा तथ्यात्मक और प्रभावशाली रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी। राजनीतिक गलियारों में उनकी खबरों की चर्चा रहती थी और कई बड़े मुद्दों को उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से प्रमुखता से उठाया। वह पिछले तीन साल से यूटर्न टाइम अखबार में बतौर सीनियर रिपोर्टर अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके अलावा अलग अलग नेशनल मीडिया संस्थानों के साथ जुड़े रहे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से सेहत खराब होने के कारण वे घर पर ही रेस्ट पर थे।

पत्रकारिता जगत को कमी हो रही महसूस

उनके निधन से लुधियाना के मीडिया जगत को गहरा आघात पहुंचा है। पत्रकारों, राजनीतिक नेताओं और सामाजिक संगठनों ने नदीम अंसारी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना जताई है। नदीम अंसारी की होती रहेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल दे।

ग्राहक बनकर आए बदमाश ज्वेलरी शॉप से गहने चोरी कर हुए फरार, सीसीटीवी में वारदात कैद

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। गांव संगोवाल में एक ज्वेलरी की दुकान पर दो युवक ग्राहक बनकर आए और सोने के गहने चोरी करके फरार हो गए। थोड़ी देर बाद जब ज्वेलर ने गहने चैक किए तो उसे चोरी का पता चला। मालिक अनुसार चोर करीब दो लाख रुपए के गहने चोरी करके ले गए हैं। थाना सदर की पुलिस ने जगदीश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी ज्वेलर्स के मालिक जगदीश कुमार अपनी पत्नी ज्योति रानी के साथ दुकान पर मौजूद थे। करीब एक बजे एक युवक ग्राहक बनकर दुकान में आया और गहने दिखाने की बात कही। इसी दौरान उसका दूसरा साथी विदाउट नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर दुकान से कुछ दूरी पर खड़ा था। कुछ देर बाद पहले युवक ने अपने साथी को भी दुकान के अंदर बुला लिया। दोनों करीब 10 मिनट तक अलग-अलग गहने देखते रहे और खरीदारी का दिखावा करते रहे। इसके बाद दोनों बिना कोई सामान खरीदे दुकान से बाहर निकले और मोटरसाइकिल पर बैठकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद जब दुकानदार को शक हुआ तो उसने गहनों का वजन और स्टॉक मिलाया। जांच करने पर पता चला कि करीब दो लाख रुपये से अधिक कीमत के गहने गायब हैं। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ग्लाडा ऑफिस के बाहर कार का शीशा तोड़ सामान चुराया, 3 लाख कैश, लाइसेंसी पिस्टल व कारतूस ले गए बदमाश

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। फिरोजपुर रोड स्थित ग्लाडा ऑफिस के बाहर से एक व्यक्ति की कार का शीशा तोड़कर चोरों ने सामान चोरी कर लिया। व्यक्ति अनुसार कार में तीन लाख रुपए कैश, लाइसेंसी पिस्टल, छह कारतूस और रजिस्ट्री थी। सारा सामान चोर चोरी करके ले गए हैं। थाना सराभा नगर की पुलिस ने महाराजा रणजीत सिंह नगर के विजय कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, ताकि आरोपियों का सुराग मिल सके। पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि वह फिरोजपुर रोड स्थित ग्लाडा ऑफिस में काम से गया था। उसने अपनी कार ग्लाडा ऑफिस के बाहर खड़ी कर दी। जबकि तीन लाख रुपए कैश, लाइसेंसरी पिस्टल, 6 कारतूस व रजिस्ट्री भी कार में रखकर चला गया। थोड़ी देर बाद जब शिकायतकर्ता वापिस आया तो देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ था और अंदर पड़ा सामान गायब था।

शहर पानी पानी होने के बाद अब जलभराव रोकने के लिए अतिरिक्त जनरेटर लगाने के निर्देश

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। वीरवार को हुई भारी बारिश के बाद शहर के हर हिस्से में पानी भर गया। पूरा शहर पानी पानी होने के बाद अब नगर निगम प्रशासन जाग चुका है। जिसके चलते शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से अधिकारियों द्वारा मीटिंग की गई। मीटिंग में बारिश के दौरान जलभराव रोकने के लिए पंपिंग स्टेशनों पर अतिरिक्त जनरेटर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मीटिंग में नगर निगम कमिश्नर ओजस्वीं, विधायक अशोक पराशर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने विकास कार्यों की समीक्षा भी की। शुक्रवार को नगर निगम जोन-डी कार्यालय, सराभा नगर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में

नगर निगम और पंजाब वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बारिश के मौसम में बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी पंपिंग स्टेशन सुचारु रूप से चलते रहें। इसके लिए सभी पंपिंग स्टेशनों पर अतिरिक्त जनरेटर सेट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को एसटीपी और इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बारिश का पानी तेजी से निकाला जा सके। साथ ही सीवर लाइनों, सड़क किनारे बनी गलियों, बुड्ढा दरिया और शहर के अन्य आंतरिक नालों की नियमित सफाई और डी-सिल्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया।

वेंडिंग जोन स्थापित करने पर भी चर्चा

बैठक में स्ट्रीट वेंडरों के लिए वेंडिंग जोन स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन्हें तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त विनीत कुमार, जोनल कमिश्नर नीरज जैन, एसई रणजीत सिंह, एमटीपी विजय कुमार, एक्सईएन बलराज सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एमनेस्टी: गाजा युद्ध के दौरान भारतीय कंपनियों ने इजराइल को 2,500 से ज्यादा मिलिट्री शिपमेंट भेजे

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने आरोप लगाया है कि गाजा में चल रहे संघर्ष के दौरान भारतीय कंपनियों ने इजराइल को मिलिट्री से जुड़े सामान के कम से कम 2,596 शिपमेंट भेजे। इससे युद्ध में ग्लोबल डिफेंस सप्लाई चेन की भूमिका को लेकर नई चिंताएं पैदा हुई हैं और भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट में ज्यादा पारदर्शिता की मांग उठी है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में, मानवाधिकार संगठन ने दावा किया कि अक्टूबर 2023 में संघर्ष शुरू होने के बाद भारतीय कंपनियों ने इजराइल को डिफेंस से जुड़े कई तरह के पार्ट्स और उपकरण एक्सपोर्ट किए। एमनेस्टी ने आरोप लगाया कि इनमें से कुछ सामान का इस्तेमाल इजराइली सेना ने गाजा में ऑपरेशन के दौरान किया हो सकता है, जहाँ हजारों फिलिस्तीनी मारे गए हैं और

बड़े पैमाने पर हुई तबाही ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। संगठन ने कहा कि उसने भारत से इजराइल तक मिलिट्री से जुड़े शिपमेंट की आवाजाही का पता लगाने के लिए कस्टम रिकॉर्ड, शिपिंग मैनिफेस्ट और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ट्रेड डेटा का विश्लेषण किया। रिपोर्ट के अनुसार, शिपमेंट में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े पार्ट्स और मटीरियल शामिल थे, हालाँकि एमनेस्टी ने यह दावा नहीं किया कि हर शिपमेंट में पूरे हथियार सिस्टम शामिल थे। एमनेस्टी ने तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत देशों और कंपनियों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि हथियार और मिलिट्री उपकरण ऐसी जगहों पर न भेजे जाएं जहाँ उनके इस्तेमाल से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन का बड़ा जोखिम हो। इसने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह इजराइल को मिलिट्री एक्सपोर्ट को तब तक रोक दे जब तक कि उनके अंतिम इस्तेमाल की स्वतंत्र जांच न हो जाए। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब गाजा में इजराइल के मिलिट्री ऑपरेशन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार आलोचना हो रही है। कई देशों ने इजराइल को हथियारों के एक्सपोर्ट की समीक्षा की है या उसे रोक दिया है, क्योंकि उन्हें चिंता है कि इन हथियारों का इस्तेमाल ऐसे ऑपरेशन में किया जा सकता है जिनसे आम नागरिकों की जान जा सकती है।

शहीद ऊधम सिंह चौक का होगा सौंदर्यीकरण, 39.40 लाख की परियोजना शुरू

शहीदी दिवस पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने किया एलान, सिंहपुरा चौक का नाम होगा 'शहीद ऊधम सिंह चौक'

जीरकपुर/यूटर्न/31 जुलाई। महान क्रांतिकारी शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस पर शुक्रवार को वार्ड नंबर-23 स्थित सिंहपुरा चौक में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क और कार्यकारी अधिकारी परविंदर सिंह भट्टी के साथ शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह का

बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड का प्रतिशोध लेकर ऊधम सिंह ने देश के स्वाभिमान को नई पहचान दिलाई। उन्होंने युवाओं से शहीदों के आदर्शों पर चलने, नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा शिक्षा, खेल और राष्ट्र सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाने का आह्वान किया।

इस दौरान विधायक रंधावा ने सिंहपुरा चौक का नवीनीकरण कर उसका नाम आधिकारिक रूप से 'शहीद ऊधम सिंह चौक' रखने की घोषणा की। साथ ही शहीद ऊधम सिंह चौक से अंबाला-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग तक 39.40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सौंदर्यीकरण परियोजना का शुभारंभ भी किया। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत सड़क के दोनों ओर हरियाली विकसित की जाएगी, सजावटी पौधे एवं फूल लगाए जाएंगे तथा आधुनिक स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी, जिससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ने के साथ यातायात भी अधिक सुरक्षित होगा।

भगवा पहनकर पप्पू यादव ने संसद के बाहर पूछा हिसाब-किताब

भारतीय राजनीति में प्रतीकों का इस्तेमाल हमेशा से होता रहा है। सफेद कुर्ता सादगी का प्रतीक है, काली पट्टी विरोध जताती है, और अब भगवा कपड़े एक बार फिर विरोध का जरिया बन गए हैं। राम मंदिर में कथित चोरी के मुद्दे पर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का संसद में भगवा कपड़ों में आना एक ऐसा कदम था जिसे नजरअंदाज करना नामुमकिन था। और वे इसमें कामयाब भी रहे।

संदीप शर्मा, सम्पादक

लेकिन दिखावे से परे एक ज्यादा अहम सवाल है: प्रतीक किसी मुद्दे को उजागर करना कब बंद कर देते हैं और कब उस पर हावी हो जाते हैं?

देश के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में से एक में कथित चोरी का मामला, अगर सच है, तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए। एक ऐसा मंदिर जो न सिर्फ.आस्था का बल्कि बरसों की राजनीतिक लामबंदी का भी प्रतीक बन गया है, वहां प्रशासनिक लापरवाही की बात भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। भक्तों द्वारा दान किए गए हर रुपये में धार्मिक भावना और जनता का भरोसा दोनों शामिल होते हैं। इसलिए, वित्तीय अनियमितता के किसी भी आरोप की तुरंत, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

फिर भी, आज संसद एक ऐसे मंच जैसी लगती है जहां राजनीतिक नाटक अक्सर गंभीर बहस पर हावी हो जाते हैं। भगवा कपड़े, प्लेकार्ड, नाटकीय नारे और वॉकआउट मिनटों में सुर्खियां बटोर लेते हैं, जबकि समिति की चर्चाएं, ऑडिट रिपोर्ट और संस्थागत सुधारों पर ध्यान खींचना मुश्किल होता है। टेलीविजन कैमरे तमाशे को अहमियत देते हैं; जबकि कामकाज के लिए धैर्य की जरूरत होती है।

पप्पू यादव का विरोध भारतीय राजनीति की एक बड़ी विडंबना को भी उजागर करता है। भगवा रंग को लंबे समय से एक खास राजनीतिक विचारधारा की पहचान के तौर पर पेश किया जाता रहा है। उसी विचारधारा से गहराई से जुड़े मंदिर से जुड़ी कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने के लिए वही कपड़े पहनकर, यादव ने प्रतीकों को उनके पारंपरिक संरक्षकों के खिलाफ ही इस्तेमाल करने की कोशिश की। यह एक ऐसा राजनीतिक संदेश था जिसे संसद के साथ-साथ प्राइम-टाइम टीवी के लिए भी तैयार किया गया था।

हालांकि, बड़ा मुद्दा यह नहीं है कि भगवा कौन पहनता है, बल्कि यह है कि क्या संस्थाएं भरोसा जगाती हैं। अगर चोरी के आरोप बेबुनियाद हैं, तो उन्हें पूरी तरह से गलत साबित किया जाना चाहिए। अगर कोई चूक हुई है, तो जवाबदेही तय होनी चाहिए, चाहे मंदिर का प्रबंधन कोई भी करे या किसी भी पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़े।

राजनीतिक होड़ में आस्था कभी भी बलि का बकरा नहीं बननी चाहिए। मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे जनता का भरोसा इसलिए जीतते हैं क्योंकि वे पक्षपातपूर्ण लड़ाइयों से ऊपर होते हैं। जिस पल किसी धार्मिक संस्थान से जुड़ा हर विवाद राजनीतिक फायदे के लिए एक और मौका बन जाता है, उस पल आस्था और लोकतंत्र दोनों कमजोर पड़ जाते हैं।

लोकतंत्र में प्रतीकात्मक विरोध की अपनी जगह है। वे उन मुद्दों की ओर ध्यान खींचते हैं जो शायद दबे रह जाते। लेकिन प्रतीक सबूत की जगह नहीं ले सकते, और न ही कपड़े जवाबदेही की जगह ले सकते हैं। देश को राजनीतिक दिखावे की कम और संस्थागत पारदर्शिता की ज्यादा जरूरत है।

आखिरकार, वेशभूषा बदलने से शायद एक दिन के लिए सुर्खियाँ बदल जाएँ, लेकिन जनता का भरोसा तो ईमानदार जवाबों से ही बहाल होता है।

प्रशासन की नींद टूटी, खबर छपते ही हरकत में आया प्रशासन, बाढ़ नियंत्रण कक्ष का नंबर जारी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/31/जुलाई। सतलुज दरिया के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे के बीच, सिधवां बेट क्षेत्र के लोगों द्वारा उठाई गई आवाज और मीडिया में प्रकाशित खबरों का बड़ा असर देखने को मिला है। खबर छपने के बाद हरकत में आए उप-मंडल प्रशासन ने तुरंत प्रभाव से फ्लड कंट्रोल रूम (बाढ़ नियंत्रण कक्ष) का आधिकारिक नंबर जारी कर दिया है और क्षेत्र में प्रशासनिक चौकसी बढ़ा दी है।

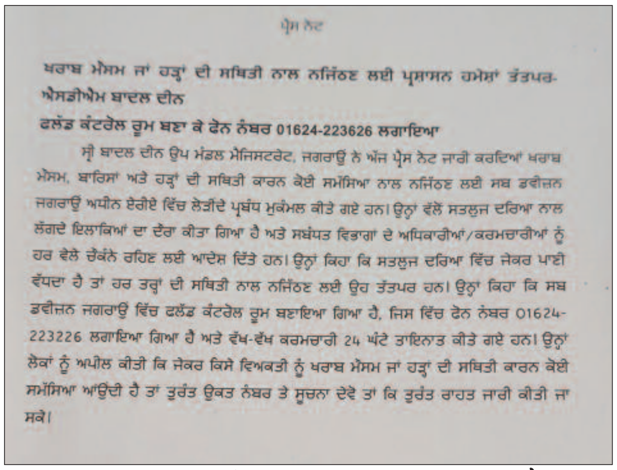

ਪ੍ਰੈਸ ਨੋਟ

ਖਰਾਬ ਮੌਸਮ ਜਾਂ ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਨਾਲ ਨਜਿੱਠਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਤੱਤਪਰ- ਐਸਡੀਐਮ ਬਾਦਲ ਦੀਨ

ਫਲੱਡ ਕੰਟਰੋਲ ਰੂਮ ਬਣਾ ਕੇ ਫੋਨ ਨੰਬਰ 01624-223626 ਲਗਾਇਆ

ਸ੍ਰੀ ਬਾਦਲ ਦੀਨ ਉਪ ਮੰਡਲ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ, ਜਗਰਾਉਂ ਨੇ ਅੱਜ ਪ੍ਰੈਸ ਨੋਟ ਜਾਰੀ ਕਰਦਿਆਂ ਖਰਾਬ ਮੌਸਮ, ਬਾਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਕਾਰਨ ਕੋਈ ਸਮੱਸਿਆ ਨਾਲ ਨਜਿੱਠਣ ਲਈ ਸਬ ਡਵੀਜ਼ਨ ਜਗਰਾਉਂ ਅਧੀਨ ਏਰੀਏ ਵਿੱਚ ਲੋੜੀਂਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸਤਲੁਜ ਦਰਿਆ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸਬੰਧਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ/ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਰ ਵੇਲੇ ਚੌਕੰਨੇ ਰਹਿਣ ਲਈ ਆਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਤਲੁਜ ਦਰਿਆ ਵਿੱਚ ਜੇਕਰ ਪਾਣੀ ਵੱਧਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਨਾਲ ਨਜਿੱਠਣ ਲਈ ਉਹ ਤੱਤਪਰ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਬ ਡਵੀਜ਼ਨ ਜਗਰਾਉਂ ਵਿੱਚ ਫਲੱਡ ਕੰਟਰੋਲ ਰੂਮ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਫੋਨ ਨੰਬਰ 01624-223226 ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕਰਮਚਾਰੀ 24 ਘੰਟੇ ਤਾਇਨਾਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਖਰਾਬ ਮੌਸਮ ਜਾਂ ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਕਾਰਨ ਕੋਈ ਸਮੱਸਿਆ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਰੰਤ ਉਕਤ ਨੰਬਰ ਤੇ ਸੂਚਨਾ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਕਿ ਤੁਰੰਤ ਰਾਹਤ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ।

इससे पहले स्थानीय निवासियों और लगभग 38 गांवों की पंचायतों ने चिंता जाहिर की थी कि प्रशासन की ओर से उन्हें कोई भी साझा आपातकालीन संपर्क नंबर उपलब्ध नहीं कराया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने जल्द नंबर जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस पहल न दिखने से लोगों में रोष था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उप-मंडल मजिस्ट्रेट बादल दीन ने प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी कि जगरांव सब-डिविजन में फ्लड कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है।

कंट्रोल रूम नंबर: 01624-223226

समय: यह कंट्रोल रूम 24 घंटे कार्यरत रहेगा, जहां कर्मचारी तैनात रहेंगे।

सहायता: भारी बारिश, खराब मौसम या बाढ़ जैसी किसी भी आपात स्थिति में क्षेत्रवासी इस नंबर पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा, प्रशासनिक अधिकारियों ने सतलुज दरिया से सटे संवेदनशील इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है और संबंधित विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

अखबारों में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन के इस कदम से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है, लेकिन साथ ही उम्मीद जताई है कि प्रशासन केवल नंबर जारी करने तक सीमित नहीं रहेगा। क्षेत्रवासियों की मांग है कि मानसून के दौरान किसी भी अनहोनी से बचने के लिए कमजोर बांधों की मजबूती, बचाव सामग्री की उपलब्धता और राहत टीमों की तैनाती को युद्धस्तर पर सुनिश्चित किया जाए।

जगरांव में स्टांप वेंडर्स की खुली लूट, 100 रुपए का स्टांप 150 में, प्रशासन कुंभकर्णी नींद में

पिछली तारीख के स्टांप के लिए वसूली जा रही है मोटी रकम, एसडीएम ने दी लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/31/जुलाई। तहसील परिसर में इन दिनों स्टांप वेंडर्स खुलेआम आम जनता की जेबों पर डाका डाल रहे हैं। निर्धारित सरकारी मूल्य से अधिक कीमत वसूलकर वेंडर जमकर चांदी काट रहे हैं, जबकि स्थानीय प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। पड़ताल में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि तहसील के अंदर 100 रुपये वाला स्टांप पेपर 150 रुपये में और 500 रुपये वाला स्टांप पेपर 550 से 600 रुपये तक में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है।

लूट का यह काला खेल सिर्फ महंगे स्टांप बेचने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बैकडेट (पुरानी तारीख) में स्टांप जारी करने का बड़ा फर्जीवाड़ा भी यहां सक्रिय है। यदि किसी व्यक्ति को पुरानी तारीख का ऑफलाइन स्टांप पेपर चाहिए, तो ये वेंडर उसे भी पिछली तारीखों में जारी कर देते हैं। इस गैरकानूनी काम के एवज में महज 100 या 500 रुपये के स्टांप के लिए 5,000 से लेकर 10,000 रुपये तक की मोटी रकम वसूली जा रही है। वेंडर्स की तानाशाही इस कदर हावी है कि जब कोई नागरिक इस अवैध वसूली का विरोध करता है या बहस करता है, तो उसे स्टांप पेपर देने से ही साफ इनकार कर दिया जाता है।

इस अंधेरगर्दी और सरेआम हो रही लूट के मामले को जब जगरांव के उप मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) बादल दीन के संज्ञान में लाया गया, तो उन्होंने इसे बेहद गंभीरता से लिया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि निर्धारित कीमत से अधिक पैसे वसूलना पूरी तरह से गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि यह मामला उनके ध्यान में आ गया है और वह स्वयं इसकी गहन पड़ताल करेंगे। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि पुरानी तारीख के ऑफलाइन स्टांप बेचने वाले वेंडर्स के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे दोषियों के लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द किए जाएंगे।

ऊर्जा संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित, चंडीगढ़ प्रशासन ने दिया जागरूकता का संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/31 जुलाई। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के उपलक्ष्य में ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ/राज्य नामित एजेंसी, इंजीनियरिंग विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आयोजित 'ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता' विषयक निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय सततता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। पुरस्कार वितरण समारोह में चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य अभियंता इंजी. सी.बी. ओझा ने विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल संसाधनों की बचत का माध्यम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सतत ऊर्जा उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता और व्यवहार में बदलाव बेहद आवश्यक है। प्रतियोगिता में विद्युत शाखा के लिपिक जतिन बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार विद्युत शाखा के कनिष्ठ अभियंता हरप्रीत सिंह तथा तृतीय पुरस्कार विद्युत शाखा के कनिष्ठ अभियंता रमन कुमार को प्रदान किया गया।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे लुधियाना के हर्षवीर सिंह सेखों

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बी.आर.एस. नगर के पूर्व छात्र और पूर्व स्पोर्ट्स कैप्टन हर्षवीर सिंह सेखों का चयन ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय साइक्लिंग टीम में हुआ है। हर्षवीर 31 जुलाई से शुरू होने वाली प्रतियोगिताओं में इंडिविजुअल परस्यूट, स्क्रैच रेस, एलिमिनेशन रेस और पॉइंट्स रेस स्पर्धाओं में भारत की चुनौती पेश करेंगे। वर्ष 2016 में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल से नॉन-मेडिकल संकाय में शिक्षा पूरी करने वाले हर्षवीर ने खेलों में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने अपने खेल करियर की शुरूआत रोलर स्केटिंग से की और वर्ष 2015 के दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इसके बाद वर्ष 2019 में उन्होंने ट्रैक साइक्लिंग की ओर कदम बढ़ाया और अपनी मेहनत, अनुशासन व शानदार प्रदर्शन के दम पर कुछ ही समय में भारतीय साइक्लिंग टीम में जगह बना ली।

वीडियो वायरल होने पर खुली कथित हैवानियत की पोल, लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

जीरकपुर/यूटर्न/31 जुलाई। बलटाना क्षेत्र में गाय के साथ कथित अप्राकृतिक कृत्य का मामला सामने आने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सामने आने पर स्थानीय लोगों ने आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी शिव राम के रूप में हुई है, जो बलटाना में एक दुकान पर मजदूरी करता है। बताया जा रहा है कि देर रात एक स्थानीय व्यक्ति ने उसे गाय के साथ कथित अप्राकृतिक कृत्य करते हुए देख लिया। प्रत्यक्षदर्शी ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आरोपित को काबू कर पुलिस को सौंप दिया। घटना की सूचना मिलते ही विभिन्न हिंदू संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की कड़ी निंदा करते हुए आरोपित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि इस तरह की घटनाएं सामाजिक और धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं तथा दोषियों को कानून के तहत कठोर सजा मिलनी चाहिए। बलटाना थाना पुलिस ने बताया कि शिकायत, वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और सभी तथ्यों की पड़ताल के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सफाई कर्मचारियों के धरने पर पहुंचे भाजपा नेता, बोले- जायज मांगों पर सरकार करे गंभीरता से विचार

जीरकपुर/यूटर्न/31 जुलाई। पंजाब में सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच जीरकपुर नगर परिषद कार्यालय के बाहर चल रहे धरने को शनिवार को भाजपा का समर्थन मिला। वरिष्ठ भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैणी धरना स्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों को जायज बताते हुए सरकार से जल्द समाधान निकालने की अपील की। सैणी ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बरनाला में हुए कथित लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा कर्मचारियों की लंबित मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह कर्मचारियों की आवाज संबंधित मंचों तक पहुंचाएंगे।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि वे बरनाला लाठीचार्ज के विरोध और अपनी लंबित मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारियों ने भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैणी के समर्थन पर आभार जताते हुए कहा कि विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों का सहयोग उनके आंदोलन को मजबूती दे रहा है। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सैणी, रविंदरपाल सिंह सूद, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

हड़ताल छोड़ बातचीत करें सफाई कर्मचारी, सरकार उनकी जायज मांगों के समाधान को तैयार : रंधावा

डेराबस्सी/यूटर्न/31 जुलाई। सफाई कर्मचारियों की जारी हड़ताल के बीच डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कर्मचारियों और यूनियन नेताओं से हड़ताल समाप्त कर बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सफाई सेवकों और सीवरमैनों के हित में कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं और उनकी जायज मांगों के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

रंधावा ने कहा कि सफाई सेवक समाज की रीढ़ हैं और उनकी सेवाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। इसी सोच के तहत सरकार ने उनकी मासिक तनख्वाह 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही ठेकेदारी व्यवस्था समाप्त कर तीन वर्ष की सेवा पूरी कर चुके आउटसोर्स कर्मचारियों को सीधे सरकारी अनुबंध पर लाने तथा पांच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने की नीति भी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने पहले भी बिजली बोर्ड, आम आदमी क्लीनिक और मनरेगा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए किया है। ऐसे में सफाई कर्मचारी भी अपनी जायज मांगों को संवाद के माध्यम से सरकार के समक्ष रखें ताकि आम लोगों को सफाई जैसी जरूरी सेवाओं में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। विधायक ने कहा कि सरकार जनकल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई और डी-सिल्टिंग जैसे कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि बिजली ढांचे को मजबूत बनाने के लिए भी बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 300 यूनिट मुफ्त बिजली, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 10 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज और आम आदमी क्लीनिकों में मुफ्त दवा व जांच जैसी योजनाएं जनता को लाभ पहुंचा रही हैं। इस अवसर पर डेराबस्सी, जीरकपुर और लालड़ू नगर परिषदों के अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली की तारों में फंसा ट्रक, खंभा टूटा; ट्रैफिक सिग्नल पोल भी गिरा

शॉर्ट सर्किट से देर तक गूंजती रहीं धमाकों जैसी आवाजें, तीन फीडर प्रभावित; वैकल्पिक व्यवस्था से बहाल हुई बिजली

जीरकपुर/यूटर्न/31 जुलाई। शहर में गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। वीआईपी रोड पर करीब 11:30 बजे एक भारी ट्रक बिजली की तारों में फंस गया, जिससे बिजली का खंभा टूटकर तारों के सहारे लटक गया। अचानक बढ़े दबाव के चलते पास में लगा ट्रैफिक सिग्नल पोल भी गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय कोई राहगीर या वाहन चालक इसकी चपेट में नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक के आगे बढ़ने से बिजली की तारों पर अचानक जोर पड़ा, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद तारों के आपस में टकराने से शॉर्ट सर्किट हुआ और लगातार धमाकों जैसी आवाजें आने लगीं। आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। घटना के चलते कुछ समय तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा।

सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स की टीम मौके पर पहुंची और ट्रैफिक व्यवस्था संभाली। एहतियात के तौर पर प्रभावित हिस्से में वाहनों की आवाजाही सीमित कर दी गई। बाद में बिजली विभाग और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर बिजली आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रण में लिया। बिजली विभाग के अनुसार हादसे के कारण रेलवे विहार, सिंहपुरा और ग्रीन लोटस फीडर प्रभावित हो गए। इसके चलते वीआईपी रोड, ग्रीन लोटस और लोहगढ़ के कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए लोड अन्य फीडरों पर शिफ्ट कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। साथ ही क्षतिग्रस्त खंभों और तारों की मरम्मत का कार्य भी शुरू कर दिया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। वीडियो में बिजली की तारों से निकलती चिंगारियां और तेज धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बिजली ढांचे को और सुरक्षित बनाने तथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

लालड़ू में अवैध पटाखा फैक्ट्री पर छापा, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

डेराबस्सी/यूटर्न/31 जुलाई। त्योहारों से पहले लालड़ू पुलिस ने अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रिहायशी इलाके में चल रहे कथित अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में तैयार पटाखे, विस्फोटक सामग्री और पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल बरामद किया। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

एसएसपी एसएएस नगर हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसपी (ग्रामीण) मनप्रीत सिंह, एसपी डेराबस्सी बिक्रमजीत सिंह बराड़ और थाना लालड़ू प्रभारी इंस्पेक्टर योगेश कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम ने डहिर रोड स्थित बाणिया ट्रेडिंग और उससे जुड़े मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान मकान से 54 बड़े और 84

छोटे डिब्बों में भरे पटाखे, 25 बोरे गंधक, पोटाश, सल्फर समेत पटाखा निर्माण में प्रयुक्त अन्य सामग्री, गत्ता और पैकिंग का सामान बरामद हुआ। दुकान से भी विभिन्न प्रकार के पटाखे जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी मौके पर पटाखों के निर्माण और भंडारण से संबंधित कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अक्षय गुप्ता (24) और अक्षित गुप्ता (26) निवासी डहिर रोड, लालड़ू के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। तीसरा आरोपी संजय गुप्ता फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। पुलिस का कहना है कि बिना लाइसेंस आबादी वाले क्षेत्र में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का भंडारण आम लोगों की जान-माल के लिए गंभीर खतरा था।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों द्वारा बिना लाइसेंस पटाखों का निर्माण और बिक्री कर सरकारी नियमों की अनदेखी की जा रही थी। रिमांड के दौरान इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और सप्लाई नेटवर्क के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

यूटर्न टाइम

बठिंडा में 3.10 लाख नशीले कैप्सूल जब्त, पति गिरफ्तार: पार्सल से मंगवाई जा रही थी खेप, तस्करी में शामिल पत्नी सहित दो फरार

-सोनू टुटेजा-

बठिंडा/यूटर्न/31 जुलाई। पंजाब पुलिस की तरफ से 'नशे के विरुद्ध युद्ध' अभियान के तहत बठिंडा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईए-2 की विशेष पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर प्रतिबंधित प्रेगाबालिन कैप्सूल की एक बहुत बड़ी खेप जब्त की है। पुलिस ने मौके से कुल 3 लाख 10 हजार नशीले कैप्सूल बरामद करते हुए गिरोह के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संगठित गिरोह कूरियर/पार्सल सेवा के जरिए दूसरे राज्यों से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल मंगवाकर इलाके में धड़ल्ले से सप्लाई कर रहा है। इसी सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सतनाम सिंह को धर दबोचा। जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से 3,10,000 प्रेगाबालिन कैप्सूल की भारी खेप बरामद हुई। मामले की गहन जांच के दौरान इस काले कारोबार में सतनाम सिंह की पत्नी और उसके एक अन्य साथी सोनू मौड़ की संलिप्तता भी उजागर हुई है। पुलिस ने दोनों को मामले में नामजद कर लिया है। आरोपी सतनाम सिंह की पत्नी फिलहाल मौका पाकर फरार हो गई है, जबकि सोनू मौड़ को दबोचने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

एसपी (डी) जसमीत सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री और पुलिस मुख्यालय के सख्त निर्देशों पर जिले में नशा तस्करों व असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई इसी अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस अब इस गिरोह की पूरी बैकवर्ड और फॉरवर्ड सप्लाई चेन को खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये कैप्सूल किस फैक्ट्री में बनाए जा रहे थे और कहां-कहां सप्लाई होने थे।

भारत - पाकिस्तान सीमा जीरो लाइन जम्मू में खोला तीसरा जैन चैरिटेबल सिलाई केंद्र नीलम जैन,राकेश जैन

नीलम जैन, राकेश जैन, अनिल कुमार, सुभाष चंद्र, ऋचा जैन

पंजाब/यूटर्न/31 जुलाई। अरनिया बॉर्डर क्षेत्र के जीरो लाइन स्थित गांव पिंडी चाड़कां कलां में को महिला शाखा भगवान महावीर सेवा सोसाइटी एवं भगवान महावीर सेवा संस्थान की ओर से राजेंद्र मोंगा परिवार लुधियाना के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जम्मू कश्मीर में तीसरा निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। जहां महिलाओं को सिलाई मशीनों और अन्य जरूरी सामग्रियां पूरी तरह मुफ्त मुहैया कराई जा रही हैं। इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में महिलाएं सिलाई का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं और आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकती हैं। इसी के साथ-साथ साथ 7 मशीने पंजाब कल्याण परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट जालंधर को भी दी गई, आज के इस उद्घाटन समारोह में समाज सेवक एवं एंटी करप्शन सेक्रेटरी (ख&ड ठउढउ) अनिल कुमार, महिला शाखा भगवान महावीर सेवा सोसाइटी की अध्यक्ष नीलम जैन, महामंत्री रिचा जैन, कोषाध्यक्ष कविता जैन, सह कोषाध्यक्ष रमा जैन, प्रचार-प्रसार सचिव डॉ. बबिता जैन, सब-इंस्पेक्टर सत्यवान मलिक और 101वीं वाहिनी बीएसएफ के सहायक कमांडेंट के. कनगराज के साथ भगवान महावीर सेवा संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन एवं समाजसेवी सुभाष चंद्र द्वारा विधिवत जैन चैरिटेबल सिलाई केंद्र का उद्घाटन किया गया

समारोह के दौरान संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन ने साझा किया कि यह संस्था पिछले 11 वर्षों से नीलम जैन की प्रेरणा और उनकी दूरदर्शी सोच के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर समेत देश के विभिन्न राज्यों में जरूरतमंदों की सेवा के लिए लगातार समर्पित भाव से कार्यरत है। इस अवसर पर चक चिमना सिलाई प्रशिक्षण केंद्र इंचार्ज सुलक्षणा देवी, तीसरे सिलाई केंद्र की इंचार्ज तानिया देवी, अनिल कुमार, सोनू कुमार, राकेश कुमार, सोहनलाल, श्यामलाल, लवली कुमारी, स्वर्ण देवी, पम्मी देवी, शालू कुमारी, अंजू बाला, भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान महिलाओं ने अपने गांव में मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खुलने पर अत्यधिक खुशी व्यक्त की और संस्था का तहेदिल से धन्यवाद किया।

जाह्नवी कपूर के ग्लैमरस अंदाज ने जीता प्रशंसकों का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपनी नई तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। बैंगनी रंग के स्टाइलिश परिधान में उनका आकर्षक और आत्मविश्वास से भरा अंदाज नजर आया।

सादगी भरे मेकअप और सहज भावों ने उनकी खूबसूरती को और निखार दिया। तस्वीरों में अभिनेत्री की मासूमियत और ग्लैमर का खूबसूरत संगम देखने को मिला।

प्रशंसक उनके फैशन सेंस और शानदार लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरों को तेजी से लाइक और शेयर किया जा रहा है। जाह्नवी ने एक बार फिर अपने दिलकश अंदाज से प्रशंसकों का ध्यान खींच लिया।

खेतों में घूम रहे युवक पर जानलेवा हमला, तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

डेराबस्सी/यूटर्न/31 जुलाई। गांव इब्राहिमपुर में खेतों में घूमने गए एक युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई अमरजीत सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता हरमनदीप सिंह (25) पुत्र गुरमेल सिंह, निवासी कंबोज धर्मशाला के पास, गांव इब्राहिमपुर, डेराबस्सी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 21 जुलाई 2026 की रात करीब 8:30 बजे वह खाना खाने के बाद खेतों की ओर टहलने जा रहा था। रास्ते में गांव के कुछ युवक मिले, जिन्होंने पार्टी करने का बहाना बनाकर उसे खेतों में ले गए। पीड़ित के अनुसार, खेतों में पहुंचने के बाद आरोपियों ने उसका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने डंडों से उसके सिर पर वार किए और बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर उसका भाई मौके पर पहुंचा और उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल डेराबस्सी में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज किया गया। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर गांव इब्राहिमपुर निवासी हरमनदीप सिंह, हरकीरत और अमना के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी के अनुसार, तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

12AB रजिस्ट्रेशन का मतलब जीएसटी (GST) से ऑटोमैटिक मुक्ति नहीं: करदाताओं और संस्थाओं के लिए एक जरूरी चेतावनी

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। यू-टर्न टाइम्स (Uturn Time) के सभी पाठकों, करदाताओं और प्रोफेशनल भाइयों को मेरा सादर नमस्कार। अक्सर जब कोई सामाजिक संस्था, एनजीओ (NGO) या चैरिटेबल ट्रस्ट आयकर विभाग (Income Tax) से धारा 12अइ (Section 12AB) के तहत रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर लेती है, तो संस्था के पदाधिकारियों और यहाँ तक कि कई टैक्स प्रोफेशनल्स के मन में भी यह धारणा बन जाती है कि अब इस संस्था को किसी भी प्रकार का कोई टैक्स नहीं देना होगा। वे मान बैठते हैं कि यदि इनकम टैक्स से छूट मिल गई, तो जीएसटी (GST) से भी अपने आप ही मुक्ति मिल गई। लेकिन एक एडवोकेट के तौर पर मैं आपको सचेत करना चाहता हूँ कि यह एक बहुत बड़ा भ्रम (Misconception) है। इनकम टैक्स की धारा 12अइ का सर्टिफिकेट होना इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आपकी हर गतिविधि पर जीएसटी भी माफ होगा। आइए, आज बहुत ही सरल शब्दों में इस बारीक कानूनी अंतर को समझते हैं ताकि भविष्य में आपको किसी अनचाहे कानूनी नोटिस या पेनल्टी के फेर में न फंसे।

करण चावला (एडवोकेट)

कानून का सीधा गणित: संस्था बनाम गतिविधि

इस पूरे मामले को समझने के लिए हमें दो अलग-अलग कानूनों के नजरिए को देखना होगा:

इनकम टैक्स कानून (Income Tax Law): यह कानून संस्था के उद्देश्य और उसके दर्जे (Charitable Status) को देखता है। अगर आपकी संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज कल्याण है और वह 12अइ में रजिस्टर्ड है, तो उसकी सरप्लस कमाई पर इनकम टैक्स से राहत मिल जाती है।

जीएसटी कानून (GST Law): इसके विपरीत, जीएसटी एक 'ट्रांजैक्शन टैक्स' है। इसे इस बात से कोई सरोकार नहीं है कि आपकी संस्था कितनी महान है या किस धारा में रजिस्टर्ड है। जीएसटी कानून केवल यह देखता है कि दी जा रही सेवा या गतिविधि (Nature of Activity/Supply) क्या है और क्या उसके बदले में कोई पैसा (Consideration) लिया जा रहा है? सरल शब्दों में कहें, तो एक ही चैरिटेबल ट्रस्ट के पास एक ही समय में तीन तरह की गतिविधियाँ हो सकती हैं:

1. जो जीएसटी के दायरे से पूरी तरह बाहर हैं (Outside the Scope of GST)

अगर कोई व्यक्ति या कंपनी आपकी संस्था को बिना किसी शर्त के निःस्वार्थ दान (Unconditional Donation) देती है, तो वह जीएसटी के दायरे में नहीं आता। ऐसा इसलिए क्योंकि दान के बदले आप उन्हें कोई व्यावसायिक सेवा या सामान नहीं दे रहे हैं।

2. जिन पर जीएसटी से छूट प्राप्त है (GST-Exempt Activities)

जीएसटी नियमों (Notification No. 12/2017) के तहत केवल उन्हीं गतिविधियों को छूट मिलती है जो कानून द्वारा तय ₹चैरिटेबल एक्टिविटीज₹ की परिभाषा में पूरी तरह फिट बैठती हैं। जैसे:

- अनाथ, बेघर बच्चों या शारीरिक/मानसिक रूप से दिव्यांग लोगों के कल्याण और कौशल विकास के लिए मुफ्त कार्यक्रम चलाना।
- गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों (जैसे कैंसर या एड्स पीड़ित) की देखरेख या काउंसलिंग करना।
- योग, अध्यात्म या धर्म का प्रचार-प्रसार करना।
- पर्यावरण, जंगलों या वन्यजीवों का संरक्षण करना।

3. जिन गतिविधियों पर पक्का जीएसटी लगेगा (GST-Taxable Activities)

यदि आपकी संस्था 12AB में रजिस्टर्ड होने के बावजूद कोई ऐसी गतिविधि करती है जो व्यावसायिक प्रकृति (Commercial Nature) की है और जिसके बदले पैसे लिए जा रहे हैं, तो उस पर जीएसटी चुकाना अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए:

- ट्रस्ट की किसी दुकान या कमर्शियल प्रॉपर्टी को किराए पर देना (तय सीमा से अधिक किराए पर)।
- किसी कार्यक्रम के लिए स्पॉन्सरशिप (Sponsorship) या विज्ञापन के अधिकार बेचना।
- आम जनता या कॉरपोरेट कंपनियों के लिए फीस लेकर कोई ट्रेनिंग प्रोग्राम या सेमिनार आयोजित करना।
- धार्मिक पुस्तकें, दवाइयां या सोविनियर (Souvenirs) बेचना।

हाल ही में देश की विभिन्न अथॉरिटीज फॉर एडवांस रूलिंग्स (AAR) ने भी अपने फैसलों में यह साफ कर दिया है कि किसी भी संस्था के सिर्फ 12अइ सर्टिफिकेट को देखकर आंख मूंदकर जीएसटी छूट का दावा नहीं किया जा सकता। प्रत्येक ट्रांजैक्शन की अलग से जांच होनी जरूरी है।

व्यावहारिक सीख (Practical Lesson)

यदि आप किसी संस्था का संचालन कर रहे हैं, तो कभी भी यह निष्कर्ष न निकालें कि हम तो चैरिटेबल ट्रस्ट हैं, तो हमारे ऊपर जीएसटी लागू ही नहीं होता। जब भी संस्था में कोई पैसा आए या संस्था किसी भी तरह की सेवा/सामान किसी को दे, तो सबसे पहले यह देखें कि उस विशिष्ट ट्रांजैक्शन की प्रकृति क्या है? क्या वह सरकार द्वारा नोटिफाइड छूट की श्रेणी में आता है या नहीं? सतर्क रहें, जागरूक रहें और किसी भी वित्तीय लेनदेन को करने से पहले अपने टैक्स सलाहकार से मशविरा जरूर लें, ताकि आपकी सामाजिक सेवा निर्बाध रूप से चलती रहे।

स्क्रैप गोदाम की दीवार में सेंध लगाकर कॉपर व मैटल चोरी करके ले गए चोर

लुधियाना/यूटर्न/31 जुलाई। वीरवार देर रात को कोहाड़ा के लखोवाल रोड पर एक स्क्रैप के गोदाम में भारी मात्रा में कॉपर मैटल चोरी कर लिया गया। वारदात के लिए चोरों ने पहले मेन गेट तोड़ा और फिर दीवार में सेंध लगाकर वारदात की। अगली सुबह जब वर्कर आए तो वारदात का पता चला। जिसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी मालिक को दी। मालिक ने थाना कूमकलां पुलिस को शिकायत दी है। गोदाम के मालिक टक्कर ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष ही इंपोर्ट एक्सपोर्ट का काम ग्रीन लूप के नाम से शुरू किया था। जिसमें बाहर से स्क्रैप खरीद कर उसको रिसाइकिल करके बाहर बेचते हैं। वीरवार रात चोरों ने पहले गोदाम की पिछली तरफ से दरवाजा तोड़ा और फिर गोदाम की दीवार तोड़कर अंदर घुस गए। सूचना मिलने पर थाने से पुलिस टीम मौके पर जांच करने पहुंची। पुलिस जांच कर रही है कि आखिर चोर किस वाहन में सामान चोरी करके फरार हुए हैं। लुधियाना के व्यवसायी इस असमंजस में हैं कि रोजमर्रा में चोरियां, डकैती शहर में आम बात हो गई है।

आईए मिलकर बचाएं नन्हे फरिश्ते की जान

डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने भी लोगों से अपील की

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 31 जुलाई। 23 महीने के मास्टर आलम ठाकुर की जान बचाने के लिए महानगर के बहुत से लोग आगे आ रहे हैं लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लुधियाना के प्रेसिडेंट, श्री हिमांशु जैन, IAS ने लुधियाना, पंजाब और देश भर के लोगों से 23 महीने के मास्टर आरव ठाकुर की जान बचाने के लिए आगे आने की अपील की है। आरव अभी स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) टाइप-II नाम की एक रेयर और जानलेवा जेनेटिक बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसके इलाज के लिए तुरंत मदद की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि ट्रांसपेरेंट तरीके से लोगों का योगदान इकट्ठा करने के लिए, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लुधियाना ने CitizenNeeds प्लेटफॉर्म के जरिए एक ऑनलाइन फंडरेजिंग कैंपेन शुरू किया है। इस कैंपेन का मकसद PGIMER, चंडीगढ़ के एडवांस्ड पीडियाट्रिक्स सेंटर द्वारा रिकमेंड की गई एक बार की जीन थेरेपी जोल्गेन्स्मा (ओनासेमनोजेन एबेपावोर्वेक) के लिए जरूरी रकम इकट्ठा करना है।

PGIMER की मेडिकल सलाह के मुताबिक, इस इलाज में करीब 9 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। यह थेरेपी बहुत टाइम

सेंसिटिव है और जितनी जल्दी इलाज शुरू होगा, आरव के बचने और हेल्दी ज़िंदगी जीने की संभावना उतनी ही ज्यादा होगी।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि एक और क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए अब तक 65 लाख रुपये से ज्यादा जमा हो चुके हैं। इसके अलावा, CityNeeds के जरिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कैंपेन के पहले ही दिन लुधियाना के डोनर्स ने 2 लाख रुपये से ज्यादा का योगदान दिया। परिवार ने रेयर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए भारत सरकार की संबंधित वेलफेयर स्कीम के तहत भी अप्लाई किया है, लेकिन इलाज के लिए जरूरी बड़ी रकम अभी तक इकट्ठा नहीं हुई है। जिलाधीश हिमांशु जैन ने लोगों, परिवारों, कॉर्पोरेट हाउस, इंडस्ट्री, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, NGO, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, सामाजिक और धार्मिक संगठनों और समाजसेवी लोगों से इस इंसानियत के काम में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर छोटा या बड़ा डोनेशन आरव को जान बचाने वाले इलाज के एक कदम और करीब लाता है। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लुधियाना ने बताया कि सिटीनीड्स इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड बिना किसी एक्स्ट्रा फीस के अपना टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म दे रहा है और बैंकिंग नियमों के मुताबिक सिर्फ ऑनलाइन पेमेंट गेटवे चार्ज लगेंगे। कैंपेन से मिलने वाला सारा डोनेशन सीधे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लुधियाना के तय बैंक अकाउंट में जमा किया जाएगा, जिससे पूरी ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी पक्की होगी।

लोग www.cityneeds.info पर जाकर या https://tinyurl.com/DonateforAarav के जरिए सुरक्षित रूप से ऑनलाइन डोनेट कर सकते हैं। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने लोगों से अपील की है कि वे इस कैंपेन को सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा शेयर करें और अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों, संस्थाओं और ऑर्गनाइजेशन को भी इस नेक काम में शामिल होने के लिए बढ़ावा दें।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372